भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1069

28 जुलाई, 2023 को उत्तर के लिए नियत

"ऑटोमोबाइल सेक्टर से सेमीकंडक्टर चिप की कमी"

1069. श्री सतीश चंद्र दूबे:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में सेमीकंडक्टर चिप की कमी के कारण कारों और अन्य चार पहियों वाले वाहनों की डिलीवरी में काफी समय लग रहा है;

(ख) क्या यह भी सच है कि ऑटोमोबाइल सेक्टर की उक्त समस्या का फायदा उठाकर एजेंसियां टोकन राशि के नाम पर आम लोगों से पैसे ले लेती हैं और उन्हें कार/अन्य चार पहियों वाले वाहनों की डिलीवरी के लिए छह महीने से दो साल तक प्रतीक्षा करवाती हैं; और

(ग) सरकार द्वारा इसकी रोकथाम के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जा रहे हैं जिससे आम लोगों की परेशानियों को दूर किया जा सके?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क): जी हाँ। कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान सेमी-कंडक्टर चिप की कमी थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल एसोसिएशन (सिआम) से प्राप्त सूचनानुसार, यह देखा गया कि वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्तिकर्ताओं ने अपने विनिर्माण में वृद्धि की है क्योंकि इनमें से कुछ कंपनियों को हाल-फिलहाल तक अवरोधों का सामना करना पड़ा है।

(ख): ऐसा कोई मुद्दा इस मंत्रालय के संज्ञान में नहीं है।

(ग): इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचित किया गया है कि सेमीकंडक्टर चिप की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। निम्नलिखित परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है:

i) हाईपावर फ्रीक्वेंसी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए गैलियम नाइट्राइड पारितंत्र वाले केंद्र और इनक्यूबेटर की स्थापना।

ii) पीएलआई स्कीम के अंतर्गत 'नंद' फ्लैश मेमोरी की असेंबली, परीक्षण, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) की स्थापना के लिए परियोजना।

iii) उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के अंतर्गत ट्रांजिस्टर, डायोड आदि सहित डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर उपकरणों के लिए परियोजना।

iv) इलेक्ट्रॉनिक संघटक एवं सेमीकंडक्टर विनिर्माण संवर्धन स्कीम (एसपीईसीएस) के तहत वित्तीय प्रोत्साहन।

*****